पटना

NEWS18 PAPER

VOL. 2026 NO. 131 | WED, AUG 26, 2026

PRICE ₹ ~~3.00~~ FREE

सब्सक्राइब करें

फॉलो करें

टॉप न्यूज

दिनभर की खबरों का डोज

पिता मजदूर, मां करती हैं झाड़ू-पोछा, जानें कौन है 6 साल का आदित्य, जिसने बिहार सरकार को दे डाली चुनौती

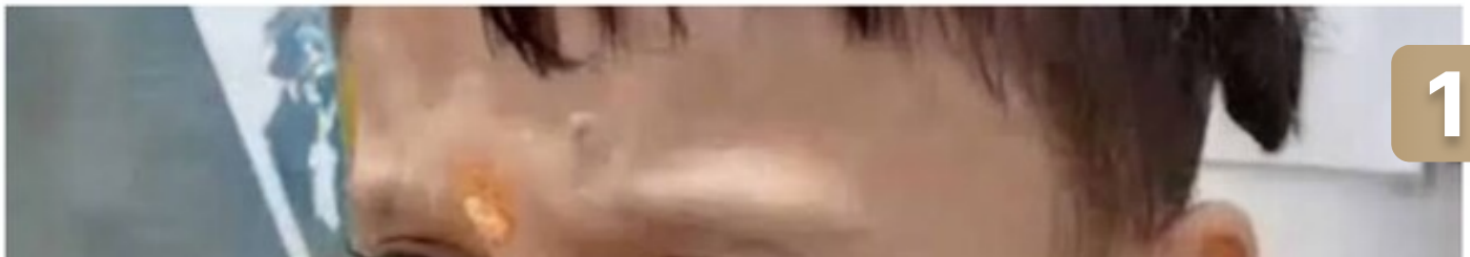

1

पटना में छात्र आंदोलन के दौरान छह वर्षीय आदित्य कुमार पहली कक्षा का छात्र सुर्खियों में आ गया है। आदित्य ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की तथा संविधान की किताब पढ़ता है। पुलिस ने उसे प्रदर्शन के दौरान थाने में पांच घंटे रखा और डराने का आरोप लगा। मजदूर परिवार से आने वाला आदित्य परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर आंदोलन में शामिल हुआ। उसके माता-पिता ने कहा कि आंदोलन में जाना उसका स्वयं का निर्णय था।... **और पढ़ें** ↓

Muzaffarpur News: LJP(R) विधायक अमित रानू पर गिरफ्तारी का खतरा, बस कोर्ट

वारंट का इंतजार कर रही है पुलिस

सीतामढ़ी के बेलसंड से लोजपा (रामविलास) विधायक अमित रानू पर जमीन विवाद, अवैध हथियार रखने, रंगदारी वसूलने और हत्या के प्रयास सहित कई गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस ने उनके आवास और दफ्तर पर छापेमारी कर अहम दस्तावेज और अवैध हथियार बरामद किए हैं। कुल 25 मामलों में 8 में विधायक आरोपी हैं। उनके भाई की भूमिका भी उजागर हुई है। कोर्ट से वारंट मिलते ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी और संपत्तियों की जांच होगी।... **और पढ़ें** ↓

बिहार में 27 और 28 अगस्त को महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री, रक्षा बंधन पर सरकार ने दी बड़ी सौगात

बिहार सरकार ने रक्षा बंधन के अवसर पर 27 और 28 अगस्त को राज्य की सभी महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी है। यह छूट बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सभी बसों पर लागू होगी। इस पहल के तहत एक हजार से अधिक बसें चलाई जाएंगी और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। सरकार के इस फैसले से लाखों महिलाओं

को त्यौहार के दौरान यात्रा में बड़ी राहत मिलेगी।... **और पढ़ें** ↓

पेट्रोल-डीजल, सोना-चांदी के दाम और ट्रेंड

₹113.65
पेट्रोल/लीटर

₹99.36
डीजल/लीटर

₹16,367.00
24 कैरेट सोना

₹259,100.00
चांदी/किलो

सिंपल सोचिएगा...सामान्य समाज ओबीसी-ईबीसी और दलितों के आरक्षण की चिंता

क्यों करे? अजय आलोक के सवालों से समझिए पूरी कहानी

बीजेपी प्रवक्ता अजय आलोक ने आरक्षण और यूजीसी गाइडलाइन पर बहस के बीच कहा कि सामान्य वर्ग को दलित, ओबीसी और अत्यंत पिछड़े वर्गों के आरक्षण की समीक्षा की चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण, ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा और रोहिणी आयोग जैसे कदम उठाकर सभी वर्गों की चिंता की है। आलोक ने आरक्षण को

सामाजिक गैर बराबरी दूर करने का माध्यम बताया और यूजीसी विवाद में मोदी सरकार को दोषी ठहराना गलत कहा।... **और पढ़ें** ↓

Supaul Road Accident: 50 मीटर तक लोगों को कुचलता रहा वाहन, सुपौल में कीर्तन कर रहे 5 लोगों की दर्दनाक मौत

बिहार के सुपौल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-327ई पर मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने कीर्तन कर रहे

लोगों को कुचल दिया, जिससे पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद पुलिस ने वाहन जब्त कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है और उन्होंने सड़क किनारे अतिक्रमण व अस्थायी दुकानों को हटाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें।... **और पढ़ें** ↓

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

आज का 'लाइफ हैक'

रात में फोन को एयरप्लेन मोड पर रखें। इससे आपका फोन बहुत तेज़ी से चार्ज होगा और आप सुबह तक पूरी बैटरी के साथ तैयार रहेंगे। यह बैटरी की लाइफ भी बढ़ाता है और अनावश्यक नोटिफिकेशन्स से बचाता है।

आज का इतिहास

- 1978 में, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने चीन का दौरा किया, जो 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा था। यह दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

- 1920 में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने असहयोग आंदोलन को अपनाया, जिसका नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया था। इस आंदोलन का उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को भारत से बाहर निकालना और स्वराज प्राप्त करना था।

- 1883 में, इंडोनेशिया में क्राकाटोआ ज्वालामुखी फटा, जिससे इतिहास के सबसे घातक ज्वालामुखीय विस्फोटों में से एक हुआ। इस विस्फोट से सुनामी आई और हजारों लोगों की जान चली गई, जिससे वैश्विक जलवायु पर भी असर पड़ा।

दिनभर की खबरों का डोज

गया: नक्सल प्रभावित गांव का पहला मैट्रिक पास युवक, अब डॉक्टर

गया जिले के नागोबार गांव के राजेश कुमार पडहिया गांव के पहले मैट्रिक पास युवक हैं। उनके पिता के प्रयासों से राजेश ने 15 किलोमीटर दूर साइकिल से पढ़ाई की। अब उनके छोटे भाई-बहन भी मैट्रिक पास हैं। गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी है। राजेश फिलहाल एक चिकित्सक के पास रहकर प्रैक्टिस करते हैं और ग्रामीणों को चिकित्सा सलाह देते हैं।

गांव में प्राथमिक विद्यालय खुलने से अब छोटे बच्चे भी स्कूल जाने लगे हैं।

... और पढ़ें ↗

आसान भाषा में समझें

कल्पना करो कि तुम्हारे पास बहुत सारे दोस्त हैं और तुम सब एक-दूसरे से बातें कर सकते हो, तस्वीरें भेज सकते हो और खेल खेल सकते हो। इंटरनेट भी ऐसा ही है, लेकिन यह पूरी दुनिया के कंप्यूटरों और फोनों को जोड़ता है। यह एक बहुत बड़ा जादुई जाल है जिससे हम जानकारी ढूंढ सकते हैं, वीडियो देख सकते हैं और दूर बैठे लोगों से बात कर सकते हैं।

लोजपा (रामविलास) की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित.

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए अपनी नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की है। अध्यक्ष चिराग पासवान ने इसमें नए चेहरों, युवाओं और महिलाओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। पार्टी ने मेहनती कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया है। चिराग पासवान ने सभी पदाधिकारियों को संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का निर्देश दिया। सुरेन्द्र विवेक बिहार अध्यक्ष, जनार्दन पासवान झारखंड अध्यक्ष और राजू तिवारी राष्ट्रीय महासचिव बनाए गए हैं।

... और पढ़ें ↗

क्या आप जानते हैं?

FUN FACT

क्या आप जानते हैं कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है? इसमें 1.5 लाख से अधिक डाकघर हैं, जो देश के हर कोने तक पहुँचते हैं। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है।

पूर्णिया के किसान ने गेंदा फूल से कमाया लाखों का मुनाफा

पूर्णिया के युवा किसान सुकेश दास ने पारंपरिक खेती छोड़कर गेंदा फूल की खेती शुरू की है, जिससे कम लागत में अधिक मुनाफा मिल रहा है। उन्होंने 4 बीघा जमीन पर नारंगी और पीले गेंदा की खेती की,

जिससे छह महीने में लाखों रुपये की आय की उम्मीद है। गेंदा फूल की खेती कम समय में अधिक लाभ देने के साथ-साथ अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा बन रही है, क्योंकि इसकी मांग पूरे वर्ष बनी रहती है।

... और पढ़ें ↗

आज का मजेदार मीम

जब आप सोचते हैं कि आपने सब कुछ पढ़ लिया है, लेकिन फिर भी परीक्षा में कुछ नया आ जाता है।

चंदा मामा होटल: दरभंगा की 3 पीढ़ियों की स्वाद विरासत

दरभंगा के कोतवाली चौक पर स्थित 'चंदा मामा होटल' तीन पीढ़ियों से संचालित एक ऐतिहासिक नाश्ते की दुकान है, जिसकी शुरुआत आजादी से पहले हुई थी। इसका नाम ग्राहकों द्वारा दिया गया है, जो हिंदी पत्रिका 'चंदा मामा' से जुड़ा है। यहां कचौरी, समोसा, जलेबी जैसे स्वादिष्ट नाश्ते मिलते हैं। गुणवत्ता, साफ-सफाई और आत्मीयता के कारण यह होटल दरभंगा की पहचान बन चुका है और आज भी अपनी परंपरा व स्वाद को बनाए हुए है।

... और पढ़ें ↗

आज के 5 जरूर करें

1. सुबह उठकर 10 मिनट ध्यान करें, इससे मन शांत रहेगा।
2. अपने पसंदीदा गाने सुनते हुए 30 मिनट टहलें, शरीर को ऊर्जा मिलेगी।

3. किसी दोस्त या परिवार के सदस्य को फोन करें, उनसे हालचाल पूछें।

4. एक नया व्यंजन बनाने की कोशिश करें, कुछ नया सीखें।

5. आज रात सोने से पहले एक किताब के कुछ पन्ने पढ़ें, ज्ञान बढ़ाएं।

भोजपुर में धान की फसल के लिए खाद प्रबंधन.

भोजपुर में किसान धान की फसल में दूसरी बार खाद डालने की तैयारी कर रहे हैं। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय फसल को मुख्य रूप से नाइट्रोजन की आवश्यकता होती है, लेकिन खाद की मात्रा खेत की

मिट्टी, फसल की अवस्था और पहली बार दी गई खाद पर निर्भर करती है। संतुलित मात्रा में खाद देना जरूरी है, ताकि फसल का विकास बेहतर हो सके। अधिक या कम खाद दोनों ही फसल को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

... और पढ़ें ↗

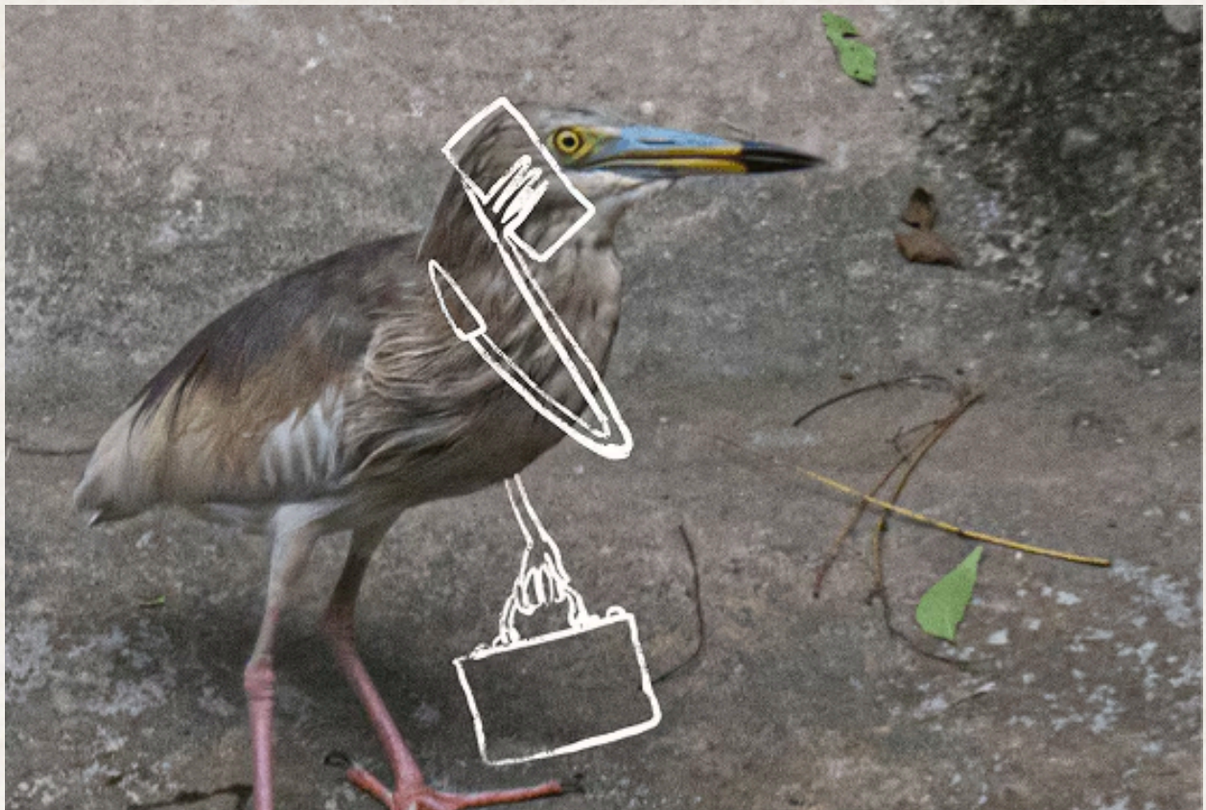

पढ़ते रहिए...

पिता मजदूर, मां करती हैं झाड़-पोछा, जानें कौन है 6 साल का आर्दित्य, जिसने बिहार सरकार को दे डाली चुनौती

पटना में चल रहे छात्र आंदोलन के दौरान छह वर्षीय आदित्य कुमार अचानक सुर्खियों में आ गया है। आदित्य पहली कक्षा का छात्र है और अपने विचारों व साहस के कारण आंदोलन का चेहरा बन गया है। गर्दनीबाग धरना स्थल पर उसने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के इस्तीफे की मांग खुलेआम की, जिससे वह चर्चा में आ गया। 25 अगस्त को जब छात्रों ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया, तब भी आदित्य सड़क पर प्रदर्शन में

शामिल हुआ। पुलिस ने उसे प्रदर्शन के दौरान उठाकर थाने ले गई और करीब पांच घंटे तक थाने में बैठाए रखा। आदित्य का परिवार पुनाईचक इलाके में किराए के मकान में रहता है। उसके पिता मजदूरी करते हैं और मां दूसरों के घरों में झाड़ू-पोंछा करती हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य होने के बावजूद आदित्य की सोच और पढ़ाई में गहरी रुचि है। वह अपने स्कूल बैग में भारतीय संविधान की किताब रखता है और अब तक 80 पेज पढ़ चुका है। उसे देश की खबरों और सामाजिक मुद्दों में गहरी दिलचस्पी है। आदित्य ने पुलिस पर आरोप लगाया कि थाने में उसे और उसके माता-पिता को डराया-धमकाया गया तथा आंदोलन में दोबारा भाग न लेने का दबाव बनाया गया। जब उससे पूछा गया कि इतनी छोटी उम्र में आंदोलन में क्यों शामिल हो रहा है, तो उसने कहा कि बार-बार परीक्षा में पेपर लीक की घटनाएं भविष्य के लिए चिंता का विषय हैं। यदि व्यवस्था नहीं सुधरी, तो उसके भविष्य पर भी असर पड़ेगा। आदित्य के माता-पिता ने स्पष्ट किया कि आंदोलन में जाने का फैसला उसका अपना था

और वह खबरों से पूरी तरह अपडेट रहता है। यह घटना न केवल छात्र आंदोलन की गंभीरता को उजागर करती है, बल्कि समाज में जागरूकता और बदलाव की आवश्यकता पर भी सवाल उठाती है। आदित्य का साहस और सोच आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा है।

पढ़ते रहिए...

Muzaffarpur News: LJP(R) विधायक अमित रानू पर गिरफ्तारी का खतरा, बस कोर्ट वारंट का इंतजार कर रही है पुलिस

सीतामढ़ी जिले की बेलसंड विधानसभा सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के विधायक अमित रानू पर गंभीर आरोपों के चलते उनकी मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। मामला मुजफ्फरपुर के अहियापुर इलाके में जमीन विवाद से जुड़ा है, जिसमें विधायक पर जमीन हड़पने, प्रोटेक्शन गैंग चलाने, रंगदारी वसूलने और हत्या के प्रयास जैसे संगीन आरोप लगाए

गए हैं। पुलिस ने इस विवाद के बाद कुल 25 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें से 8 मामलों में विधायक अमित रानू को सीधे आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने दो दिन पहले विधायक के मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी स्थित आवास तथा उनके दफ्तर पर छापेमारी की थी। इस दौरान पुलिस को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और अवैध हथियार बरामद हुए हैं। छापेमारी के दौरान सरकारी कार्य में बाधा डालने का भी प्रयास किया गया, जिससे पुलिस का रुख और सख्त हो गया है। इस पूरे प्रकरण में विधायक के भाई सोनू सिंह की भी भूमिका सामने आई है, जिन्होंने कथित तौर पर एक जमीन पर कब्जा करने के लिए बुलडोजर चलवाया था। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आर्थिक अपराध इकाई से विधायक की संपत्तियों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अब अदालत से गिरफ्तारी वारंट का इंतजार कर रही है। वारंट

जारी होते ही विधायक अमित रानू की गिरफ्तारी तय मानी जा रही है। यह मामला न केवल स्थानीय राजनीति में हलचल पैदा कर रहा है, बल्कि विधायकों की भूमिका और कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

पढ़ते रहिए...

बिहार में 27 और 28 अगस्त को महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री, रक्षा बंधन पर सरकार ने दी बड़ी सौगात

बिहार सरकार ने रक्षा बंधन के पावन अवसर पर राज्य की महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल की है। सरकार ने घोषणा की है कि 27 और 28 अगस्त को सभी महिलाओं को राज्य परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की बसों में यात्रा करने के लिए कोई किराया नहीं देना होगा। यह सुविधा दोनों दिनों के लिए सुबह से लेकर रात 10 बजे तक उपलब्ध रहेगी। इसका उद्देश्य त्योहार के

दौरान महिलाओं की यात्रा को सुगम, सुरक्षित और किफायती बनाना है, ताकि वे बिना किसी आर्थिक चिंता के अपने भाइयों के पास राखी बांधने जा सकें। इस योजना के तहत, न केवल शहरी क्षेत्रों में चलने वाली बसों में, बल्कि एक जिले से दूसरे जिले तक जाने वाली नगर सेवा और अंतर-जिला बसों में भी मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी। परिवहन निगम ने महिलाओं की बढ़ती भीड़ और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य भर में एक हजार से अधिक बसें चलाने का निर्णय लिया है। साथ ही, बस स्टैंडों पर सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पृष्ठभूमि में देखा जाए तो रक्षा बंधन भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर महिलाएं अक्सर लंबी दूरी तय कर अपने भाइयों के घर जाती हैं। सरकार की यह पहल न केवल महिलाओं की यात्रा को आसान बनाएगी, बल्कि उनके आर्थिक बोझ को भी कम करेगी। यह कदम राज्य में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक

समावेशिता की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है, जिससे लाखों महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और त्योहार की खुशियों में वृद्धि होगी।

पढ़ते रहिए...

सिंपल सोचिएगा...सामान्य समाज ओबीसी-ईबीसी और दलितों के आरक्षण की चिंता क्यों करे? अजय आलोक के सवालों से समझिए पूरी कहानी

आरक्षण और यूजीसी रेगुलेशन एवं गाइडलाइन के मुद्दे पर चल रही बहस के बीच भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने समाज में आरक्षण की समीक्षा को लेकर उठ रहे सवालों पर अपनी राय स्पष्ट की है। उन्होंने सामान्य वर्ग के लोगों से पूछा कि दलित, ओबीसी और अत्यंत पिछड़े वर्गों के आरक्षण की चिंता सबसे पहले उन वर्गों को करनी चाहिए, जिन्हें इसका लाभ नहीं मिला है। अजय आलोक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सामान्य

वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण देने, ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने और रोहिणी आयोग के गठन का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार सभी वर्गों की चिंता करती है। उन्होंने आरक्षण और यूजीसी के नाम पर चल रही मुहिम को समाज में जातिगत द्वेष बढ़ाने और हिंदू समाज की एकता कमजोर करने की कोशिश बताया। अजय आलोक ने कहा कि आरक्षण का मूल उद्देश्य सामाजिक गैर बराबरी को दूर करना है, न कि केवल आर्थिक आधार पर लाभ देना। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों का हवाला देते हुए कहा कि जब तक सामाजिक गैर बराबरी खत्म नहीं होती, तब तक आरक्षण की आवश्यकता बनी रहेगी। यूजीसी विवाद पर उन्होंने स्पष्ट किया कि नीति निर्माण में केवल प्रधानमंत्री या शिक्षा मंत्री ही नहीं, बल्कि अधिकारियों की पूरी श्रृंखला शामिल होती है। यदि किसी नियम को

लेकर विवाद हुआ और मामला अदालत तक पहुंचा, तो सीधे प्रधानमंत्री को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने विवादित नियम पर रोक लगा दी है और सरकार ने पुनर्विचार का आश्वासन दिया है। अजय आलोक ने यह भी कहा कि 60 साल से चले आ रहे सिस्टम को 12 साल में पूरी तरह बदलना संभव नहीं है। उनका बयान आरक्षण व्यवस्था की जटिलताओं और समाज के विभिन्न वर्गों की चिंताओं पर विचार करने की आवश्यकता को उजागर करता है।

पढ़ते रहिए...

Supaul Road Accident: 50 मीटर तक लोगों को कुचलता रहा वाहन, सुपौल में कीर्तन कर रहे 5 लोगों की दर्दनाक मौत

बिहार के सुपौल जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने

पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-327ई के कटैया चौक के पास हुआ, जब झूलन पूजा के अवसर पर बजरंगबली मंदिर के समीप सड़क किनारे बैठे कीर्तन कर रहे लोगों के बीच एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन अनियंत्रित होकर घुस गया। इस दुर्घटना में पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाहन पिपरा की ओर से अत्यधिक गति से आ रहा था और कटैया चौक के पास चालक ने नियंत्रण खो दिया। वाहन ने पहले सड़क किनारे बैठे लोगों को कुचल दिया और फिर एक दुकान में जा घुसा। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों की पहचान तिलाई दास, राजू दास, सुरेंद्र यादव, भुवनेश्वरी यादव उर्फ कोयली यादव और कृष्ण मोहन साह के रूप में हुई है, जो सभी कटैया पंचायत के निवासी थे। हादसे

की खबर मिलते ही मृतकों के घरों में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति का जायजा लिया। इस हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अतिक्रमण और अस्थायी दुकानों के कारण सड़क पर यातायात बाधित होता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क किनारे अतिक्रमण और अस्थायी दुकानों को हटाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। यह हादसा न केवल त्योहार की खुशियों को मातम में बदल गया, बल्कि सड़क सुरक्षा और प्रशासनिक लापरवाही पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

न्यूज18 पेपर को सब्सक्राइब करें

टेलीग्राम पर जुड़ें

© 2026 Network18 Media & Investments Limited